बताया है कि सहायता का आधार वित्त आयोग द्वारा दी गई संस्तुतियां हैं। आठवां वित्त आयोग बन चुका है। माननीय सदस्य के सुझाव नोट कर लिए गए हैं। अगर मुनासिब होगा तो परिवर्तन करने के लिए इन सुझावों को वहां भिजवाएंगे।

The Lok Sabha then adjourned for lunch till thirty five minutes past fourteen of the clock.

———

(The Lok Sabha reassembled after lunch at forty minutes past Fourteen of the clock.)

(SHRI R.S. SPARROW *in the Chair*)

12.45 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Need for remedial measures to control the disease in cotton crop under Tungbhadra Project command area

SHRI DARUR PULLAIAH (Anantapur): Sir, I would like to bring the plight of the cotton growers under Tungabhadra Project to the notice of the hon. Minister for Agriculture.

Cotton crop, grow in an area of one lakh hectares under Tungabhadra Project command area in Anantapur, Kurnool District, in Andhra Pradesh and Bellary area and Raichur District in Karnataka, is threatened with wilt disease resulting in the death of cotton plants of mature age. 30 per cent of the crop has been completly damaged in spite of the intensive use of pesticides. In view of the fact that the disease is not controlled, the cotton-growers are worried about the remaining crop and the future of the crop in the coming years.

I request the hon. Minister for Agriculture to send the scientists to the area to find out the remedial measures and to take necessary steps in the matter.

(ii) Need for removing the deficiencies shortcomings in the development programme for hilly and backward areas

श्री टी० एस० नेगी (टिहरी गढ़वाल): सभापति महोदय, भारत सरकार उत्तर प्रदेश के पर्वतीय तथा पिछड़े क्षेत्र के लिए अलग से अनुदान देती है। मैं भारत सरकार का ध्यान उत्तरांचल में चलाए जा रहे विभिन्न विकास कार्यक्रमों की कमियों की ओर दिलाना चाहता हूं—

1. पीने के पानी की 90 प्रतिशत से ज्यादा स्कीमों पर पानी गायब है।

2. बिजली लोगों को मिलती नहीं, परंतु उसके पैसे लिये जाते हैं।

3. स्कूलों में अध्यापकों की 40 प्रतिशत की कमी है, ट्रेंड लड़के बेकार हैं। इमारतें 80 प्रतिशत से ज्यादा खराब हैं, टाट-पट्टी फर्नीचर गायब है।

4. सिंचाई के लिए नगर से पानी मिलता नहीं, लगान वसूल किया जा रहा है।

5. अस्पतालों में 60 प्रतिशत से ज्यादा डाक्टर व कर्मचारी नहीं हैं, दवाइयां लापता हैं।

6. प्रदूषण रहित उद्योग गैस, इलैक्ट्रानिक्स और घड़ी बनाने के कारखाने नहीं खोले जा रहे हैं। इसके विपरीत धुआं और क्षार पैदा करने